कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अंक – 2, जून 2024

कपास उत्पादन की तकनीकी विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर पर दिनांक 29 अप्रेल से 02 मई 2024 तक ग्राम शिमला के 24 प्रगतिशील कृषकों हेतु कपास उत्पादन विषय पर चार दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन हुआ । प्रशिक्षण दौरान केन्द्र के फसल उत्पादन विषय विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने किसानों को कपास के उपयोग, महत्व, बुवाई के समय तथा उपयुक्त उन्नत किस्मों, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी । केन्द्र के पौध सरंक्षण विषय विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा द्वारा कपास फसल में बीजोपचार तकनीक समन्वित कीट प्रबंधन एवं गुलाबी सुंडी के प्रबंध पर विस्तार से जानकारी दी गई।

खरीफ फसलों में मृदा परीक्षण आधारित खाद एवं उर्वरक प्रबंधन पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मृदा खरीफ फसलों में मृदा परीक्षण आधारित खाद एवं उर्वरक प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिनांक 29 अप्रेल से 2 मई 2024 तक चार दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन केन्द्र परिसर हॉल में किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विनोद कुमार सैनी द्वारा भूमि में फसल उत्पादन हेतु मृदा परीक्षण, नमूने लेने की विधि एवं मृदा स्वास्थय कार्ड (SHC) तथा परीक्षण परिणामों के आधार पर मिट्टी में पोषक तत्वों के उपयोग की जानकारी दी गई । इस अवसर पर केन्द्र पर स्थापित मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला का प्रशिक्षणार्थियों को भ्रमण कराया गया । इस प्रशिक्षण में सरदारशहर तहसील के 41 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत सस्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई की विधियों व अन्य कृषि क्रियाओं के बारे में कृषकों को जानकारी दी ।

नारी परियोजना अन्तर्गत प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 3 मई 2024 को मूँग व मोठ के पोषण एवं मूल्य सवंर्धन विषय पर गांव देवीपुरा में एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन हुआ । जिसमें गांव की 23 महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम संयोजक डॉ. रमन जोधा ने प्रशिक्षणार्थियों को मूंग व मोठ के पोषक मूल्यों तथा इनके संवर्धन द्वारा बनने वाले विभिन्न पोष्टिक आहारो की जानकारी दी । इस अवसर पर विधि प्रदर्शन द्वारा धात्री माताओं हेतु उच्च प्रोटीन युक्त मूँग रेसिपी बनाकर सिखाया गया । इस दौरान विषय विशेषज्ञ श्री हरीश रछौया ने खरीफ सीजन मूंग एवं मोठ की उत्पादन तकनीक के अन्तर्गत

किस्मों, बुवाई की विधि, उर्वरक प्रबंधन के साथ–साथ खरपतवार नियंत्रण की यांत्रिक एवं जैविक विधियो के बारे में अवगत कराया

खरीफ फसलों की जैव सवंर्धन किस्मों हेतु उर्वरकों के उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा ग्राम देवीपुरा में दिनांक 3 मई, 2024 को खरीफ की मुख्य फसलों में जैव सवंर्धन को बढाने हेतु उर्वरक उपयोग विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया , जिसमें गांव के 23 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस अवसर पर केन्द्र के सस्य विज्ञान विषय विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने कृषकों को खरीफ फसलों में लगातार पोषक गुणवता में कमी या गिरावट को रोकने हेतु भूमि में संतुलित रूप से सुक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करने के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी ।

ग्रामीण युवाओं हेतु डेयरी पशुओं के स्वास्थय प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 6 से 9 मई 2024 के दौरान ग्रामीण क्षेत्र के 21 युवाओं हेतु डेयरी पशुओं के स्वास्थय प्रबंधन विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम संयोजक श्री श्याम बिहारी ने स्वस्थ व बीमार पशुओं की पहचान करना, मिनरल व विटामिन की कमी से होने वाले रोगों की जानकारी, अजौला का पशु आहार में महत्व के बारे में प्रशिक्षणार्थियों विस्तार पूर्वक समझाया । इसके अलावा पशुओं में अपच, आफरा, बंद पडना, थनैला रोग की पहचान, बछडों में दस्त बुखार, नेवल इल बीमारी के लक्षण व उपचार आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी । प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों को कृषि विज्ञान केन्द्र की डेयरी इकाई, अजौला इकाई तथा हरा चारा उत्पादन इकाई का भ्रमण कराया गया । कार्यक्रम के दौरान विधि प्रदर्शन द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को गाय–भैंसों की पाचन शक्ति को सुदृढ करने के लिये रूमेन टॉनिक बनाना सिखाया गया ।

वर्षा जल सरंक्षण एवं समुचित उपयोग विषय पर ऑन लाईन एक दिवसीय कार्यशाला

केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (**CRIDA**), हैदराबाद द्वारा दिनांक 7 मई 2024 को निकरा परियोजना अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ऑन लाईन माध्यम से किया गया । इस दौरान **ICAR-CRIDA** निदेशक डॉ. वी.के.सिंह द्वारा वर्षा जल संचयन की विधियों एवं समुचित उपयोग विषय पर व्याख्यान देकर सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों का मार्गदर्शन किया गया । इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के. सैनी एवं वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता श्री रमेश चौधरी ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा गांव मीतासर में आयोजित विभिन्न गतिविधियों (मृदा नमी सरंक्षण, जल संचयन एवं सुक्ष्म सिंचाई विधि) के बारे में अवगत कराया गया । कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, अर्न्तवृतीय फसलों एवं जलग्रहण प्रबंधन आदि विषयों पर व्याख्यान देकर केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञों का ज्ञान वर्धन किया गया ।

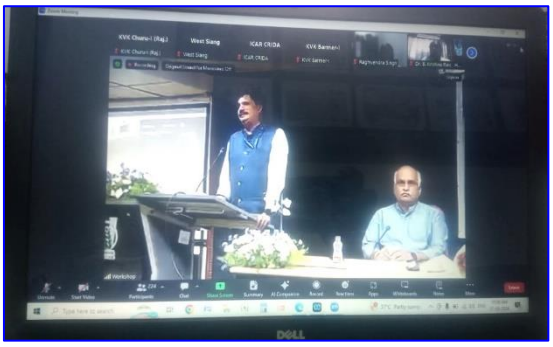

बेर बगीचों की कटाई–छंटाई विधियों पर प्रशिक्षण का आयोजन

सरदारशहर तहसील के ग्राम कल्याणपुरा में कृषि विज्ञान केन्द्र, द्वारा बेर में काट–छांट विधियों विषय पर दिनांक 8 मई 2024 को असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । कार्यक्रम संयोजक श्री अजय कुमावत ने बेर प्रूनिंग विधि के महत्व के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि बेर की फसल लेने के बाद, बेर की मृत एवं रगङ खाती शाखाओं की कटाई करनी चाहिये क्योंकि बेर में नई शाखा पर भी फल आते है । इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों से बेर फसल में खाद–उर्वरक एवं सिंचाई प्रबंधन विषय पर विस्तृत चर्चा की गई । प्रशिक्षण उपरान्त प्रगतिशील किसान श्री कल्याणसिंह राजपुरोहित के बेर बगीचे का भ्रमण सभी 21 प्रशिक्षणार्थियों को करवाया गया तथा किसानों को बेर की आगामी फसल हेतु उर्वरक की अनुसंशित मात्रा का प्रयोग करने हेतु परामर्श दिया गया ।

मूंगफली की जैव सवंर्धित किस्मों की उत्पादन तकनीक हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मूंगफली की जैव सवंर्धित किस्मों की उतपादन तकनीक विषय पर दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 08 मई, 2024 को ग्राम कल्याणपुरा तह.सरदारशहर में किया गया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के फसल उत्पादन विषय विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने मूंगफली की जैव सवंर्धित किस्मों की जानकारी व मूंगफली की समन्वित उत्पादन तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी । बतौर प्रशिक्षणार्थी 20 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया ।

सफेद लट प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन

केन्द्र द्वारा दिनांक 9 मई 2024 को रतनगढ तहसील के गांव लधासर में मूंगफली में सफेद लट प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 21 कृषकों ने भाग लिया । प्रशिक्षण के अन्तर्गत कार्यक्रम संयोजक श्री मुकेश शर्मा ने सफेद लट प्रबंधन हेतु प्रकाश पाश (**Light trap**) द्वारा भृंग प्रबंधन, बीजोपचार, खडी फसल में लट प्रबंधन इत्यादि की जानकारी दी । कृषकों को खेत में खेजडी, नीम, बेर, रोहिडा आदि वृक्षों की छंगाई हेतु सलाह दी गई ताकि भृंगों को बैठने हेतु स्थान न मिलने से सफेद लट का उचित प्रबंधन किया जा सके ।

बेमौसमी सब्जी उत्पादन तकनीक विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा बेमौसमी सब्जी उत्पादन एवं उसके महत्व विषय पर दिनांक 9 मई 2024 को ग्राम लधासर में असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 21 कृषकों ने भाग लिया । प्रशिक्षण में केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (उद्यान) श्री अजय कुमावत द्वारा कृषकों को बेमौसमी फसलों के महत्व के बारे में बताया कि किस प्रकार उपयुक्त मौसम न होने पर भी हरी सब्जियों का उत्पादन कर अधिक लाभ कमाया जा सकता है । साथ ही बताया जब सब्जियों की आपूर्ति कम हो एवं कीमतें अधिक हो तब ही बेमौसमी उत्पादन करना

सार्थक है । कृषकों को टमाटर, भिण्डी, खीरा आदि फसलों के तकनीकी के महत्वपूर्ण बिन्दू जैसे–बीज दर, बुवाई का समय, पोषक प्रबंधन एवं समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तारपूर्वक बताया ।

लेहसुवा परिरक्षण विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

केन्द्र द्वारा दिनांक 15 से 16 मई 2024 तक लेहसुवा के पोषण मूल्य एवं परिरक्षण विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 23 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम संयोजक डॉ. रमन जोधा ने लेहसुवा के पोषक मूल्यों एवं इससे बनने वाले विभिन्न प्रकार के आचार के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की तथा ग्रामीण युवतियों को लेहसुवा एवं कैरी का आचार बनाने का प्रशिक्षण दिया । इस अवसर पर बागवानी विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत ने लेहसुवा` की उन्नत किस्म थार बोल्ड को लगाने की विधि एवं पौधे से पौधे की दूरी के बारे में बताया । साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को केन्द्र की लेहसुवा बगीचा इकाई में भ्रमण कराया गया एवं लेहसुवा के पौधों में उचित पोषकएवं सिंचाई प्रबंधन के बारे में भी बताया गया।

फल बगीचे की स्थापना विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

जिले में कृषकों में फलदार बगीचों के प्रति बढते रूझान एवं आवश्यकता अनुरूप फलदार बगीचों की स्थापना हेतु 4 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 15 से 18 मई 2024 को किया गया । प्रशिक्षण में भाग ले रहे 20 कृषकों को उद्यान विशेषज्ञ द्वारा चूरू क्षैत्र में फसलोत्पादन के साथ–साथ फलोत्पादन को बढावा देने पर जोर देते हुए बताया कि भविष्य में कृषि को लाभकारी बनाने हेतु क्षैत्रीय फलदार पौधों विशेषकर बेर, अनार, लेहसुवा, बीलपत्र, करौंदा इत्यादि का रोपण अवश्य करें । इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को बगीचे का रेखांकन, गडढे खोदना एवं उनका भराव, पौधों की उन्नत किस्मों, लगाने की विधियॉ, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, कटाई–छंटाई इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई साथ ही प्रायोगिक कार्य भी करवाये गये ।

मूंगफली उत्पादन की उन्नत तकनीकी विषय पर चार दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) द्वारा प्रायोजित कलस्टर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के अन्तर्गत तिलहन उत्पादन को बढाने हेतु मूंगफली उत्पादन की उन्नत तकनीकी के अन्तर्गत 4 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन 24 से 27 मई 2024 को किया गया जिसमें 25 कषकों ने भाग लिया । चूरू जिले की परिस्थितियों के अनुरूप कृषकों को प्रशिक्षण के दौरान, कम समय में पकने वाली, कम एवं खारे पानी में अच्छा उत्पादन देने वाली किस्मों के चयन, बुवाई से पूर्व भूमि एवं बीज उपचार, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, मुख्य पोषक तत्वों के साथ–साथ, गंधक एवं लोहा (सल्फर एवं आयरन) के प्रयोग, खरपतवार प्रबंधन, दीमक, सफेद लट हेतु एकीकृत प्रबंधन एवं कीट एवं बीमारियों के प्रबंधन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

खरीफ तिलहनों में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर चार दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण

एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (प्छड) के विभिन्न अवयवों जैसे गोबर की खाद, कम्पोस्ट, वर्मी कम्पोस्ट, सरल कम्पोस्ट, हरी खाद, नीम की खली की खाद आदि को बनाने एवं उपयोग की विस्तारपूर्वक प्रायोगिक कार्य करवाते हुये जानकारी प्रदान की गई । मृदा जॉच अनुरूप पोषक तत्वों के उपयोग विशेषकर सल्फर (गंधक) एवं जिप्सम का प्रयोग ताकि तिलहन में तेल की मात्रा को बढावा देने एवं आयरन सूक्ष्म पोषक तत्व का प्रयोग कर मूंगफली में पीलेपन कि समस्या से निजात पाकर अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सके । प्रशिक्षण के दौरान कृषकों से मृदा एवं इनकी नमी को सरंक्षित करने के उपायों पर भी चर्चा की गई । मिट्टी की उर्वरता एवं उत्पादकता दोनों को बढाने एवं भविष्य में बनाये रखने की चुनौती से कैसे निपटने के बिन्दुओं पर भी प्रकाश डाला गया ।

राज्य स्तरीय कृषि आकस्मिक कार्य योजना खरीफ– 2024 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (ब्प्क।) हैदराबाद एवं कृषि विभाग, राज. सरकार के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 26 मई, 2024 को ऑन लाईन एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके प्।ब्प्क। निदेशक डॉ. वी.के. सिंह द्वारा आगामी मानसून की जानकारी प्रदान की तथा जिलेवार बीज, खाद आदि की उपलब्धता का जायजा लिया । संयुक्त निदेशक (कृषि) श्री अर्जुनलाल ने खरीफ 2024 में मुख्य फसलों का अनुमानित क्षैत्रफल जिलेवार एवं आवश्यक आदानों के बारे में अवगत करवाया । आयुक्त कृषि, राजस्थान सरकार श्री कन्हैयालाल स्वामी ने वर्तमान स्थिति का व्यापक अवलोकन किया और वैकल्पिक फसलों एवं किस्मों सहित संभावित आकस्मिक समाधानों पर चर्चा की ।इस अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ वी.के. सैनी ने छप्ब्। परियोजना के अन्तर्गत संचालित की जा रही गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया ।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई

कृषि विज्ञान केन्द्र के फार्म पर मई माह में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई की गई, जिसके अनेक लाभ समाहित है । जैसे मृदा का सूर्य ऊर्जा उपचार होता है जिससे कीट व पौध रोग कारक नष्ट हो जाते है । जल का अप्रवाह रूकता है । मृदा की जलग्रहण क्षमता में वृद्वि होती है, वायु का संचार होता है । खरपतवार नियंत्रण होता है और जडो की अच्छी वृद्वि होती है । पीडकनाशियों के अवशेषों तीव्र विघटन होता है तथा मृदा सरंक्षण होता है ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर) श्री रमेश चौधरी(वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता–NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed & typed by श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I